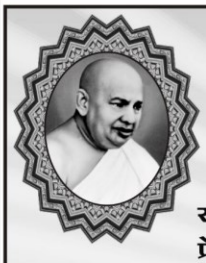

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 20 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 जनवरी 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

पुण्य-सम्राट के द्वय पट्टधरों का भव्यातिभव्य प्रवेश

झाबुआ (म.प्र.),

प्रातःस्मरणीय विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के षष्ठम पट्टधर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रखर समाज शिल्पी आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का दिनांक 7-1-2018 को मध्यप्रदेश के झाबुआ में भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ।

शोभायात्रा में आचार्यद्वय के साथ मुनिमण्डल व गुरुभक्त

प्रातः दिवाकर की रश्मियों के साथ ही झाबुआ नगर में आचार्यद्वय की अगवानी करने हेतु सजधज कर गुरुभक्त वृन्दावन गार्डन पहुँच गये जहाँ से आचार्यद्वय के साथ ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा का प्रारम्भ हुआ। शोभायात्रा में सबसे आगे गजराज, दो ऊँट, चार घोड़े, विभिन्न मण्डलियों के साथ बैण्ड की सुमधुर स्वरलहरियों पर भावविभोर होकर नृत्य करते गुरुभक्त सभी का ध्यान आकर्षित कर रहे थे वहीं पीछे महिला एवं बालिकाएँ अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थी। परम्परानुसार सभी आचार्य भगवन्तों के चित्र लेकर विभिन्न रथ में लाभार्थी परिवार बिराजमान थे। शोभायात्रा में विशेष रूप से दादा गुरुदेवश्री की प्रतिमा बिराजमान थी, जिसकी स्थान-स्थान पर जैन समाज के अतिरिक्त अन्य समाजजनों द्वारा अक्षत और श्रीफल से गहुँली की।

शोभायात्रा में गहुँली करते गुरुभक्त

द्वय आचार्यश्री के साथ शोभायात्रा में स्थानीय गुरुभक्तों के साथ मालवा, राजस्थान, गुजराज आदि प्रान्तों से हजारों गुरुभक्त आचार्य पदारोहण के पश्चात् मालवा में प्रथम प्रवेश पर सम्मिलित हुए। आचार्यद्वय के साथ इस शोभायात्रा को निहारने के लिए पूरा शहर उमड़ गया। सम्पूर्ण नगर में स्थान-स्थान पर भव्य स्वागत हुआ जिसमें पंजाबी एवं सिन्धी समाज, अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार काउंसिल, चर्च परिसर में फादर रॉकी शाह के नेतृत्व में ईसाई समुदाय, भावसार समाज, सेन समाज, श्री चिन्तामणि गणेश मन्दिर समिति ने काम्बली ओढ़ाकर, साज रंग संस्था, जिला पेंशनर्स एसोसिएशन, अरोड़ा खत्री समाज, बोहरा समाज, दर्जी टेलर समाज, रोटरी क्लब, पतंजलि योग समिति, परहित सेवा संस्था, श्री गोवर्धननाथ समिति, जिला आजाद साहित्य परिषद्, दशा नीमा समाज, श्री राम मन्दिर सेवा समिति, सकल व्यापारी संघ, आसरा पारमार्थिक ट्रस्ट, हजरत दीदार शाह वली उर्स कमेटी, मुस्लिम समाज, तेरापंथ सभा, संकल्प ग्रुप, सोनी परिवार, मीडिया ग्रुप आदि के द्वारा स्वागत द्वार बनाकर द्वय आचार्यश्री की अगवानी की। आचार्यद्वय के बावन जिनालय पहुँचने पर गहुँली की गई, यहाँ श्री आदिनाथ प्रभु एवं दादा गुरुदेवश्री के दर्शन-वन्दन के पश्चात् शोभायात्रा शहनाई गार्डन में विशाल धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

धर्मसभा में पूज्य गुरुदेवों के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण मुख्य अतिथि म.प्र. शासन के ऊर्जामन्त्री श्री पारस जैन एवं रतलाम के विधायक श्री चैतन्य काश्यप के साथ विधायक श्री शान्तिलाल बिलवाल, सुश्री निर्मला भूरिया आदि अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन श्री मनोहरलाल भण्डारी ने दिया। महिला मण्डल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथि देवो भवः की परम्परा का निर्वहन करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत श्रीसंघ एवं परिषद् द्वारा किया गया। इसके पश्चात् पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के खजूरी प्रवेश पर प्रदान किए प्रवचन की संक्षिप्त वीडियो क्लिप बड़े पर्दे पर प्रसारित की गई, जिसको देखकर, सुनकर धर्मसभा में उपस्थित हजारों गुरुभक्तों के नयनों से अश्रुधारा बह निकली एवं दोनों हाथ खड़े करके गुरुभक्तों ने दादा गुरुदेवश्री व पुण्य-सम्राट के जयकारों से पूरा वातावरण गुँजायमान हो उठा।

धर्मसभा में गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि जहाँ श्रद्धा, भक्ति और समर्पण होता है, वह धरा धन्य हो जाती है। मालवा के गुरुभक्तों के हृदय में गुरुभक्ति का नजारा दिखा है उससे मैं काफी अभिभूत हूँ। पू. गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि हम सभी श्री महावीरप्रभु के सन्देश-वाहक बनकर इस धरती पर आए हैं एवं सत्य-अहिंसा के मार्ग को जन-जन तक पहुँचाना ही हमारा कर्त्तव्य है। पूज्यश्री ने सम्पूर्ण मालवे को एकता के साथ रहने का सन्देश देते हुए कहा कि यह सदा अखण्डित रहना चाहिये।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, समन्वयवादी, शासन-प्रभावक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने गुरु कृपा की महत्ता बताते हुए कहा कि गुरु की कृपा जिस धरा पर बरसती है वह धरा निश्चित ही पुण्यशाली बन जाती है एवं वहाँ का गुरुभक्त निहाल हो जाता है। यह मालवा की पुण्यशाली भूमि है, जो पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के दिल में बसी थी। निश्चित ही आपकी गुरुभक्ति को देखकर ऐसा अनुभव हुआ है कि सम्पूर्ण देश में मालवा की गुरुभक्ति बेजोड़ व अटूट है। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री स्वयं अन्य प्रान्तों में कहते थे कि गुरुभक्ति और समर्पण सीखना है तो मालवा वालों से सीखना चाहिये।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री म. प्र. में राजकीय अतिथि

उदयपुर (स. सं.),

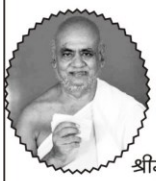

पुण्य-सम्राट गुरुदेव राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. को मध्यप्रदेश शासन ने राजकीय अतिथि का सम्मान प्रदान किया है।

गच्छाधिपतिश्री व आचार्यदेवेशश्री को राजकीय अतिथि का सम्मान प्रदान करने पर विधायक, राज्य योजना आयोग उपाध्यक्ष व अ. भा. त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री चैतन्य काश्यप व म. प्र. शासन के मन्त्री व परिषद् के उपाध्यक्ष श्री पारस जैन ने मुख्यमन्त्री श्री शिवराजसिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। राज्य शिष्टाचार कार्यालय ने संभागायुक्त-इन्दौर, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक-झाबुआ को पत्र जारी कर राजकीय अतिथि से सम्बन्धित समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

श्री लीला शान्ति जयन्त विहार धाम भव्य लोकार्पण समारोह सम्पन्न

पिटोल (म.प्र.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, स्पष्टवक्ता, आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में गुजरात और मध्यप्रदेश की सीमा पर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से निर्मित विहार धाम 'श्री लीला शान्ति जयन्त विहार धाम' का भव्य लोकार्पण दिनांक 5 जनवरी 2018 समारोहपूर्वक किया गया।

द्वय आचार्यश्री की निश्रा में विहार धाम का लोकार्पण

झाबुआ निवासी श्री संघवी लीलाबेन शान्तिलाल भण्डारी परिवार द्वारा निर्मित इस विहार धाम में द्वय आचार्यदेवश्री आदि ठाणा ने सामैया के साथ विहार धाम में मंगल प्रवेश हुआ, जहाँ समारोह के मुख्य अतिथि सेठ श्री दीपचन्दजी जैन के करकमलों द्वारा विहार धाम का लोकार्पण किया गया।

विहार धाम में भण्डारी परिवार की ओर से श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के भव्य जिनालय का निर्माण प्रारम्भ है। निर्माण पूर्ण होने पर इस की प्रतिष्ठा हेतु भण्डारी परिवार ने द्वय आचार्यश्री के समक्ष विनती की। इस अवसर पर समीपस्थ ग्राम-नगरों के गुरुभक्त उपस्थित थे।

सुसज्जित लीला शान्ति जयन्त विहार धाम

आचार्यदेवेशश्री की अमृत वाणी का रसास्वादन करते गुरुभक्त

गच्छाधिपति का आचार्यदेवेशश्री के साथ हुआ जन्मभूमि में मंगल प्रवेश

राणापुर (स. सं.),

विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. के प्रशिष्य साहित्य-मनीषी, राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के प्रथम शिष्यरत्न गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्तों के साथ मध्यप्रदेश के राणापुर नगर में भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ।

राणापुर नगर गच्छाधिपतिश्री की जन्मभूमि है, सम्वत् 2006 में चैत्र कृष्णा 6 को श्रेष्ठीवर्यश्री चम्पालालजी दसेड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती कंचनदेवी की कुक्षी से आपका अवतरण हुआ था, आपका सांसारिक नामकरण बंशीलाल था, आपको मुनिराजश्री जयन्तविजयजी म. सा. (पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा.) ने सम्वत् 2024 के चैत्र कृष्णा 2 के दिन भागवती प्रवज्या प्रदान कर मुनिराजश्री नित्यानन्दविजयजी म. सा. के नाम से अपने प्रथम शिष्य के रूप में घोषित किया था।

राजस्थान की धर्म धरा श्री भाण्डवपुर तीर्थ में आचार्य पदारोहण समारोह में श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय श्रीसंघ ने आपको गच्छाधिपति पद एवं मुनिराजश्री जयरत्नविजयजी म. सा. को आचार्य पद से सुशोभित किया। आचार्य पदारोहण के पश्चात् द्वय आचार्यों का एक साथ प्रथम बार प्रवेश धूमधाम से हुआ।

भव्य शोभायात्रा में गुरुभक्त एवं मंगल कलश से द्वय आचार्य को बधाते हुए

प्रातः से ही गुरुभक्त सजधज कर विशाल संख्या में गुरुभक्त अपने लाड़ले गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवश्री की अगवानी करने के लिए उत्साह और उमंग के साथ आतुर थे। भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई गुजरी तो निहारने के लिए मार्ग के दोनों ओर सारा नगर उमड़ पड़ा।

धर्मसभा गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुई। गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. स. ने कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री ने मुझ पर उपकार करके अपना शिष्य बनाया और आज जो कुछ भी मैं हूँ यह उन्हीं के शुभाशीर्वाद से सम्भव हुआ है।

धर्मसभा में देशना देते द्वय आचार्यश्री

स्पष्टवक्ता आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि राणापुर नगर के बंशीलाल ने संयम पथ पर चलकर पुण्य-सम्राट की निश्रा में कमाल की शासन प्रभावना की है। मैं आप सबकी गुरुभक्ति देखकर प्रसन्न हूँ।

द्वय आचार्यश्री से आशीर्वाद लेते सांसदश्री कान्तिलाल भूरिया

राणापुर नगर में प्रवेश के अवसर पर सांसद श्री कान्तिलालजी भूरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। आपने गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यश्री के दर्शन-वन्दन करते हुए धर्मसभा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गुणगान किया। सारे नगर को भव्यातिभव्य सुसज्जित किया गया। मंगल प्रवेश की वेला में गुरुभक्तों ने मार्ग में गहुँली कर बधाते हुए स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद श्री कान्तिलालजी भूरिया का श्रीसंघ की ओर से अभिनन्दन किया गया।

द्वय आचार्यश्री को कामली ओढ़ाते हुए

श्री भूरिया का अभिनन्दन करते हुए

राजकीय अतिथि गच्छाधिपति एवं आचार्य भगवन्त का पारा में भव्य प्रवेश

पारा,

पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त, श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं स्पष्टवक्ता, समन्वयवादी, आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा ने आचार्य पदवी के पश्चात् प्रथम बार म. प्र. में आगमन करते हुए गुरुवार को ग्राम रजला से पारा नगर में भव्य मंगल प्रवेश किया । इससे पूर्व गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री आदि ठाणा ने रजला में मंगल प्रवेश किया । यहाँ सुरेन्द्रकुमार, पीयूषकुमार नागौरी, राजेश छाजेड़ परिवार, सोमसिंह सोलंकी, मानसिंह पारगी, जौहर अली, फैयाज अली, हरीश सोलंकी, शुभम पंचाल, हरीश राठौड़, कैलाश महाराज ने अगवानी करते हुए काम्बली वोहराई ।

आचार्य पदवी के बाद प्रथम बार नगर प्रवेश पर जैन समाज के साथ ही अन्य समाजों में काफी उत्साह का माहौल था । तीन बग्घी जिसमें दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा., श्री यतीन्द्रसूरिजी म. सा. एवं श्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के चित्र को लेकर लाभार्थी परिवार बैठे थे । घोड़े, बैण्ड तथा ढोल के साथ निकली मंगल प्रवेश की भव्य शोभायात्रा में सर्वप्रथम जैन समाज ने द्वय पट्टधरों एवं मुनि भगवन्तों का स्वागत किया । इसके बाद चल समारोह में मुस्लिम समाज, प्रजापत समाज, राठौड़ समाज, ग्राम पंचायत पारा की ओर से श्री औंकारसिंह डामोर एवं उपसरपंच दीपेश जैन, ग्राम नरवाली की ओर से श्री भूरसिंह गाडरिया आदि ने आचार्यद्वय को काम्बली वोहराकर स्वागत करते हुए आशीर्वाद लिया । वहीं समाज के साथ अन्य गुरुभक्तों ने भी पुण्य-सम्राट की प्रतिमाजी एवं दोनों आचार्यों का गहुँली कर स्वागत किया ।

जैन के युवा जहाँ गुरुभक्ति गीतों पर नृत्य करते चल रहे थे तो वहीं महिलाएँ सिर पर कलश धारण किए हुए शोभायात्रा की गरिमा बढ़ा रही थीं । शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई सदर बाजार स्थित आदिनाथ-शंखेश्वर-सीमन्धर धाम जिन मन्दिर प्रांगण में पहुँची । यहाँ आचार्यद्वय आदि मुनिवृन्द ने प्रभु-गुरु मन्दिर में दर्शन-वन्दन किए । इसके पश्चात् गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचारण से धर्मसभा प्रारम्भ हुई । श्री राजेन्द्र कोठारी ने सामूहिक गुरुवन्दन करवाया । महिला परिषद् ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया । श्रीसंघ अध्यक्ष श्री मनोहर छाजेड़ ने स्वागत उद्बोधन दिया । बाहर से पधारे अतिथियों ने गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया ।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने प्रवचन प्रदान करते हुए कहा कि मैं पिछले 15 वर्षों से गुरुदेव के साथ हूँ और इस दौरान उन्होंने कई जगह और कई बार कई संघों के सामने यह कहा कि अगर गुरुभक्ति देखना हो तो पारा जाकर देखो । मुझे तो यहाँ की गुरुभक्ति देखकर ऐसा महसूस होता है कि पुण्य-सम्राट ने मानो यहीं जन्म लिया हो ।

मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. ने भी पारा की गुरुभक्ति की तारीफ करते हुए कहा कि पारा आज भी सचमुच एक ही रंग में दिखता है ।

प्रवचन प्रदान करते आचार्यदेवेशश्री

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि पारा की गुरुभक्ति और पुण्य-सम्राट के प्रति श्रद्धा और समर्पण वास्तव में अनुमोदनीय है साथ ही यह भी कहा कि अब आप स्मरण रखना कि मैं बार-बार पारा आऊँगा ।

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा. कि जिस प्रकार पिता की दौलत पर बेटे का हक होता है ठीक उसी प्रकार पारा पर मेरा हक है क्योंकि मेरे गुरुदेव श्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. का भी पारा पर पूरा हक था ।

आचार्यद्वय को प्रथम बार काम्बली वोहराने का लाभ इन्दरमल, सुभाषचन्द्र, विकास, आकाश काँकरिया परिवार ने लिया, वहीं गुरुपद पूजन का लाभ श्री भँवरलाल, धनराजमल बोहरा परिवार ने लिया । संचालन सुरेश कोठारी ने किया ।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निदान शिविर सम्पन्न

पारा,

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संघ के जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पुण्य स्मृति में बड़ौदा गुजरात के सुप्रसिद्ध धीरज हॉस्पीटल के विशेषज्ञों द्वारा समस्त रोगों का विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निदान शिविर श्री राजेन्द्रसूरि चौक मित्र मण्डल द्वारा आयोजित किया गया ।

शिविर का शुभारम्भ साध्वीरत्ना श्री अविचलदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में किया गया । पू. साध्वीजीश्री ने पुण्य-सम्राटश्री के यशस्वी जीवन का स्मरण करते हुए मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा प्रदान करते हुए समस्त चिकित्सकों, अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं शिविर में आये हजारों रोगियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया ।

इस शिविर में 1363 रोगियों का रजिस्ट्रेशन एवं 2072 ओ.पी.डी. हुई । प्रातः 9 बजे से संध्या 6 बजे तक परिषद् परिवार पारा, जैन मित्र मण्डल, जागृति मित्र मण्डल, सरस्वती शिशु मन्दिर, इनरव्हील क्लब-झाबुआ, स्काउट गाइड-पारा ने अपनी सक्रिय सेवाएँ प्रदान की ।

सायं 5 बजे शिविर का समापन एवं अभिनन्दन समारोह विशिष्ट अतिथि परिषद् के राष्ट्रीय सहमन्त्री श्री कमलेश काकड़ीवाला व परिषद् की म.प्र. इकाई के उपाध्यक्ष श्री मोहित ताँतेड़ एवं विशेष अतिथि पारा संरपंच श्री औंकारसिंह डामोर, डॉ. अकबरशाह खान, डॉ. शिवराज बड़ौदा के सान्निध्य में आयोजित किया गया । सभी ने मानव सेवा के कार्य हेतु श्री राजेन्द्रसूरि चौक मित्र मण्डल की सराहना करते हुए बधाई दी । मण्डल के साथियों द्वारा डॉक्टर्स, परिषद् परिवार, जैन मित्र मण्डल, सरस्वती शिशु मन्दिर, इनरव्हील क्लब, स्काउट गाइड, मुस्लिम समाज, जागृति मित्र मण्डल आदि का गुरुदेव के मोमेन्टो द्वारा अभिनन्दन किया । इस अवसर पर समर्पित कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र पगारिया का शाल, श्रीफल, माला द्वारा अभिनन्दन किया । शिविर का संचालन जैनरत्न श्री प्रकाश छाजेड़ ने किया ।

भाण्डवपुर तीर्थ में जोर-शोर से निर्माण कार्य गतिमान

भाण्डवपुर तीर्थ,

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संघ के जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की सद्प्रेरणा से श्री भाण्डवपुर तीर्थ में निर्माण कार्य त्वरित गति से गतिमान है ।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि जिनमन्दिर का निर्माण कार्य अविराम चल रहा है साथ ही पुरानी धर्मशाला को तोड़ने का काम भी गतिमान है, शीघ्र ही यहाँ नवीन निर्माण प्रारम्भ किया जायेगा । यात्रियों की सुविधा हेतु नवीन धर्मशाला का निर्माण भी यहाँ हो रहा है ।

सड़क के दोनों ओर इलेक्ट्रिक एवं पानी की पाईप लाईन डालने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है जो अति शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा ।

भाण्डवपुर तीर्थ परिसर में श्रद्धालु गुरुभक्तों का दर्शनार्थ आवागमन प्रतिदिन हो रहा है ।

आचरण से ही इन्सान इन्सान है ।
आचरण से ही बन जाते शैतान है ।
आ चरण में गुरु के तो ज्ञान मिले-
आचरण से ही बन जाते भगवान है ।

-देहदानी ओम 'पारदर्शी'

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके । -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें ।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

पृष्ठ 1 का शेष

पुण्य-सम्राट के द्वय पट्टधरों का..!

लगभग 39 वर्ष बाद मालवा आने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस अवसर पर तीर्थोद्धारक आचार्यप्रवरश्री ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रथम वार्षिक पुण्यतिथि पर आयम्बिल तप कर मनाने का आह्वान किया और भाण्डवपुर ट्रस्ट मण्डल की ओर से सूचित किया कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य-स्थली भाण्डवपुर तीर्थ पर प्रथम पुण्य तिथि को आयम्बिल तप के साथ विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर भव्यातिभव्य रूप से मनाया जायेगा और सम्पूर्ण भारतवर्ष में भी गुरुभक्त आयम्बिल तप करके अपनी तपांजलि पुण्य-सम्राट के श्रीचरणों में अर्पित कर गुरुभक्ति का परिचय दें।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने कहा कि पुण्य-सम्राट ने हम सभी को सँवारा है। मालवा की श्रद्धा एवं गुरुभक्ति वन्दनीय एवं अनुमोदनीय है। धर्मसभा में 84 श्रीसंघों ने पाण्डाल में द्वय आचार्यश्री के समक्ष अक्षत से 84 गहुँलियाँ की। झाबुआ के इतिहास में प्रथम बार हुए इस ऐतिहासिक आयोजन में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ मध्यप्रदेश द्वारा संघ/समाज की विशिष्ट सेवा करने के लिए श्री कन्हैयालालजी धारीवाल-जावरा, श्री शान्तिलालजी सकलेचा-राणापुर एवं श्रीमती लीलाबाईजी भण्डारी को 'समाज गौरव' की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तीन घण्टे तक चली इस धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए प्रदेश संघ अध्यक्ष श्री सुरेश तांतेड़ ने एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश धारीवाल ने द्वय आचार्यप्रवरश्री को आश्वस्त किया कि मालवा सदैव गुरुभक्ति में जैसा पुण्य-सम्राट के साथ रहा है उसी प्रकार आपके साथ रहेगा।

पुण्य-सम्राट के द्वय पट्टधरों के म. प्र. प्रान्त प्रवेश की चित्रमय झलकियाँ

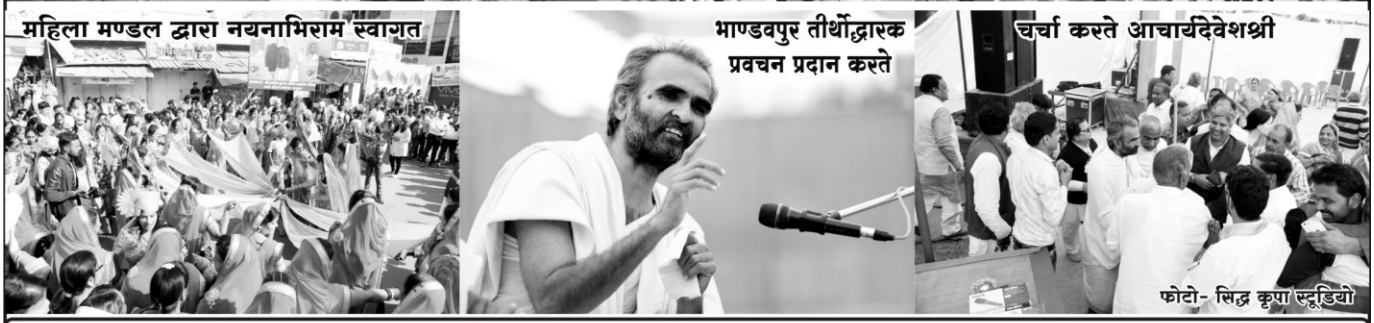

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124
09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित